कानपुर, शनिवार, 17 जनवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 20, पृष्ठः 8+4
प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड ट्रंप ने दी 'कड़े एक्शन' की चेतावनी...>Pg12

फ्रॉड करके यूरिनल्स के बदले यूनीपोल का टेंडर!... > Pg03

मूल्यः 2 ₹

देश को मिली पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

प्रधानमंत्री ने दिखाई हरी झंडी, लंबी दूरी की रेल यात्रा में ऐतिहासिक कदम

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

गुवाहाटी। भारतीय रेलवे के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह अत्याधुनिक ट्रेन पश्चिम बंगाल के हावड़ा से असम के गुवाहाटी (कामाख्या) के बीच चलेगी और 958 किलोमीटर की दूरी महज 14 घंटे में तय करेगी। अब तक इस रूट पर यात्रियों को लगभग 17 घंटे का समय लगता था।

यह वंदे भारत स्लीपर ट्रेन लंबी दूरी की रात की यात्राओं को पूरी तरह नया रूप देगी। पहली बार वंदे भारत का स्लीपर संस्करण शुरू होने से यात्रियों को तेज रफ्तार के साथ आरामदायक नींद और आधुनिक सुविधाओं का लाभ मिलेगा। ट्रेन में कुल 16 कोच लगाए गए हैं, जिनमें 11 थर्ड एसी, 4 सेकंड एसी और 1 फर्स्ट एसी कोच शामिल हैं। किराया राजधानी एक्सप्रेस से थोड़ा अधिक रखा गया है। गुवाहाटी से हावड़ा तक थर्ड एसी का किराया करीब 2300 रुपये प्रस्तावित है। रेलवे का कहना है कि समय की बचत और बेहतर सुविधाओं को देखते हुए यह किराया यात्रियों के लिए संतुलित है।

आधुनिक तकनीक और आकर्षक इंटीरियर

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का इंटीरियर भारतीय संस्कृति से प्रेरित है। बर्थ की बनावट, लाइटिंग और कोच डिज़ाइन को इस तरह तैयार किया गया है कि लंबा सफर थकान भरा न लगे। यात्रियों की सुविधा के लिए आधुनिक टॉयलेट, बेहतर लाइटिंग और शांत वातावरण उपलब्ध कराया गया है।

यूवीसी तकनीक से स्वास्थ्य सुरक्षा

स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन में यूवीसी डिसइंफेक्टेंट तकनीक लगाई गई है। यह तकनीक हवा में मौजूद वायरस और बैक्टीरिया को नष्ट करने में मदद करती है। कोच में हवा को फिल्टर कर शुद्ध किया जाता है और फिर ताजी हवा प्रवाहित की जाती है, जिससे यात्रियों को संक्रमण का खतरा कम होता है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को चरणबद्ध तरीके से देश के अन्य प्रमुख रूटों पर भी शुरू किया जाएगा। इससे लंबी दूरी की रेल यात्रा और अधिक तेज, सुरक्षित और आरामदायक बनेगी तथा भारतीय रेलवे विश्वस्तरीय सेवाओं की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ाएगा।

- हावड़ा-गुवाहाटी के बीच 958 किमी का सफर अब सिर्फ 14 घंटे में
- राजधानी से थोड़ा अधिक किराया, लेकिन समय और सुविधा में बड़ी बचत
- यूवीसी तकनीक, आधुनिक इंटीरियर और स्लीपर सुविधा से प्रीमियम यात्रा अनुभव

यूपी में कटे 2.89 करोड़ वोटर खोजने उतरी बीजेपी, 10 दिन का महाअभियान शुरू

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची से 2.89 करोड़ वोटरों के नाम कटने के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। सभी राजनीतिक दलों में चिंता बढ़ी है, वहीं भारतीय जनता पार्टी अब इन कटे हुए मतदाताओं को तलाशने के लिए मैदान में उतर आई है। भाजपा अगले 10 दिनों तक प्रदेशभर में विशेष महा-अभियान चलाकर अनुपस्थित, मृतक और एएसडी (एब्सेंट, शिफ्टेड, डेड) मतदाताओं की सूची खंगालेगी और वास्तविक मतदाताओं को फिर से सूची में जोड़ने का प्रयास करेगी।

इस अभियान के तहत चार दिन विशेष रूप से तय किए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नवदीप रिणवा ने 18 जनवरी, 31 जनवरी और 1 फरवरी की तिथियां निर्धारित की हैं, जबकि एक तिथि

- ⇨ ड्राफ्ट वोटर लिस्ट खंगाली जाएगी, बूथों पर चार दिन चलेगा विशेष अभियान
- ⇨ शीतलहर के बीच सियासी हलचल तेज, अब तक 20 लाख लोगों ने भरवाया फॉर्म-6

जिला निर्वाचन अधिकारी अपने स्तर पर तय करेंगे। इन दिनों सभी बूथों पर ड्राफ्ट मतदाता सूची उपलब्ध रहेगी, ताकि मतदाता मौके पर ही सूची देखकर फॉर्म भर सकें। साथ ही सहायता के लिए हेल्प डेस्क भी बनाई जाएंगी।

सीईओ ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विशेष अभियान के दौरान मतदाताओं को हरसंभव सुविधा दी जाए। भाजपा के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) भी सक्रिय होकर मतदाताओं से संपर्क करेंगे और नाम जुड़वाने की प्रक्रिया में मदद करेंगे।

ड्राफ्ट मतदाता सूची 6 जनवरी को जारी होने के बाद अब तक चार लाख लोगों ने नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6 भरा है। वहीं, ड्राफ्ट सूची जारी होने से पहले 16.18 लाख आवेदन आ चुके थे। इस तरह अब तक करीब 20 लाख लोग फॉर्म-6 भर चुके हैं। दूसरी ओर नाम कटवाने के लिए 54 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। इधर, प्रदेश में पिछले दो दिनों से चल रही बर्फीली हवाओं और शीतलहर ने लोगों की कंपकंपी छुड़ा दी है। मौसम विभाग ने कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। तापमान में लगातार गिरावट से गलन भरी सर्दी बढ़ गई है, लेकिन इसके बावजूद मतदाता सूची को लेकर राजनीतिक गतिविधियां और तेज होती नजर आ रही हैं।

सचेंडी गैंगरेप: फरार दारोगा को पुलिस के 'जयचंद' से मिल रही मदद

» केस डायरी की जानकारी पहुंचाने का शक, हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत दाखिल

» एनएचआरसी के नोटिस के बाद बढ़ी सख्ती, मददगारों पर पुलिस की नजर

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सचेंडी सामूहिक दुष्कर्म कांड में फरार चल रहे 50 हजार के इनामी और निलंबित दारोगा अमित मौर्या को पुलिस विभाग के भीतर से ही मदद मिलने का गंभीर आरोप सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक कुछ पुलिसकर्मी विवेचक की केस डायरी में दर्ज तथ्यों की जानकारी आरोपी तक पहुंचा रहे हैं। इसी के आधार पर निलंबित दारोगा ने अपने अधिवक्ता के जरिए हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल कर दी है।

इधर, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने मामले का संज्ञान लेते हुए डीजीपी को नोटिस भेजा है और दो सप्ताह में विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। आयोग की सख्ती के बाद पुलिस महकमे में भी हलचल बढ़ गई है। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के साथ-साथ उसे शरण और सूचना देने वालों की पहचान पर भी फोकस तेज कर दिया है।

पुलिस की एक विशेष टीम अब निलंबित दारोगा के संभावित मददगारों की निगरानी कर रही है। साथ ही, हाईकोर्ट में दाखिल अग्रिम जमानत अर्जी का कड़ा विरोध करने की तैयारी की जा रही है। अगली सुनवाई में पुलिस की ओर से ठोस साक्ष्य पेश किए जाएंगे, ताकि आरोपी को किसी तरह की राहत न मिल सके।

गौरतलब है कि सचेंडी थाना क्षेत्र के एक गांव में पांच जनवरी की रात 14 वर्षीय किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई थी।

मामले में यूट्यूबर शिवबरन यादव और भीमसेन चौकी में तैनात दारोगा अमित मौर्या को नामजद किया गया था। पुलिस ने यूट्यूबर को अगले ही दिन गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, जबकि दारोगा को निलंबित कर दिया गया।

मामला मुख्यमंत्री तक पहुंचने के बाद फरार दारोगा अमित मौर्या पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया। उसकी तलाश में क्राइम ब्रांच समेत पुलिस की चार टीमें बनाई गईं, जिन्होंने लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, गाजियाबाद, महाराजगंज और मेरठ समेत कई जिलों में संभावित ठिकानों पर दबिश दी,

लेकिन अब तक आरोपी गिरफ्त से बाहर है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपी और उसके मददगारों को बेनकाब कर लिया जाएगा।

सेंट्रल स्टेशन पर जीआरपी कांस्टेबल ने बचाई महिला की जान

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर जीआरपी कांस्टेबल की सूझबूझ और तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया। प्लेटफॉर्म पर ट्रेन में चढ़ते समय फिसलकर गिरी महिला यात्री और उसके बच्चे की जान जीआरपी कांस्टेबल ने समय रहते बचा ली।

कानपुर सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 04/05 पर ट्रेन संख्या 12179 आगरा फोर्टइंटरसिटी एक्सप्रेस के दौरान एक महिला यात्री अपने बच्चे के साथ ट्रेन में चढ़ते समय पैर फिसलने से नीचे गिर गई घटना के तुरंत बाद प्लेटफॉर्म ड्यूटी पर तैनात जीआरपी के हेड कांस्टेबल मुकेश कुमार यादव (पीएनओ052270824) ने बिना समय गंवाए अपनी जान जोखिम में डालते हुए महिला यात्री और उसके बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। उनकी त्वरित और साहसिक कार्रवाई से दोनों की जान बच गई घटना के बाद प्लेटफॉर्म पर मौजूद यात्रियों ने जीआरपी कांस्टेबल की बहादुरी की जमकर सराहना की और धन्यवाद दिया। वहीं जीआरपी अधिकारियों ने भी हेड कांस्टेबल मुकेश कुमार यादव की कर्तव्यनिष्ठा, सतर्कता और साहसिक कार्य की प्रशंसा की है।

कानपुर सेंट्रल: वीआईपी प्लेटफॉर्म पर आवारा कुत्तों का जमावड़ा

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की उड़ रही धज्जियां, कोई नहीं दे रहा ध्यान

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। देश के सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशनों में शामिल कानपुर सेंट्रल के वीआईपी कहे जाने वाले प्लेटफॉर्म नंबर1 पर आवारा कुत्तों की मौजूदगी यात्रियों के लिए खतरा बनती जा रही है। प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की भीड़ के बीच खुलेआम बैठे और लेटे आवारा कुत्ते न सिर्फ अव्यवस्था की तस्वीर पेश कर रहे हैं, बल्कि किसी भी समय हादसे का कारण भी बन सकते हैं।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि स्कूलों, अस्पतालों और रेलवे स्टेशनों जैसे सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाकर शेल्टर होम में रखा जाए, साथ ही रेबीज से पीड़ित या आक्रामक कुत्तों को दोबारा खुले में न छोड़ा जाए। इसके बावजूद कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर इन निर्देशों का पालन होता नजर नहीं आ रहा है।

तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि प्लेटफॉर्म नंबर1 पर यात्रियों के बैठने की जगह के पास ही आवारा कुत्ते बैठे और सोए हुए हैं। यात्रियों का कहना है कि देर रात या अधिक भीड़ के समय इन कुत्तों से डर का माहौल बना रहता है, खासकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए स्थिति और भी चिंताजनक हो जाती है।रेलवे स्टेशन जैसे संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले स्थान पर आवारा कुत्तों की मौजूदगी न केवल सुरक्षा के लिहाज से गंभीर है, बल्कि स्वच्छता और प्रशासनिक लापरवाही

को भी उजागर करती है। यात्रियों ने रेलवे प्रशासन और नगर निगम से मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का सख्ती से पालन कराते हुए स्टेशन परिसर को आवारा कुत्तों से मुक्त कराया जाए।अब बड़ा सवाल यह है कि जब सुप्रीम कोर्ट के आदेश स्पष्ट हैं, तो कानपुर सेंट्रल जैसे प्रमुख स्टेशन पर उन्हें लागू कराने की जिम्मेदारी कौन निभाएगा?

फ्रॉड करके हथियाया गया यूरिनल्स के बदले यूनीपोल का टेंडर!

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट से लगाए शहर में यूनीपोल के टेंडर आवंटन में छिपी बड़ी धोखाधड़ी

इस तरह से लगे हैं शहर भर में यूनीपोल

कार्यालय में नहीं बैठते विज्ञापन प्रभारी

नगर निगम विज्ञापन विभाग का चार्ज जोनल अधिकारी विजय कुमार सिंह के पास है। उनके पास जोन-2 का भी चार्ज है। विभागीय लोगों ने बताया कि वह मोतीझील स्थित मुख्यालय में नहीं बैठ पाते हैं। उनका अधिकतर समय जोन में ही बीत रहा है। इससे तमाम फरियादी और जरूरतमंद मिल नहीं पाते हैं। इसका असर विज्ञापन विभाग पर पड़ रहा है।

हैलेट हॉस्पिटल के पास यूरिनल्स की टंकी में उगी बेल

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर निगम कानपुर का विज्ञापन विभाग कंगाल बना हुआ है लेकिन शहर भर में प्रचार करके एंजेसियां करोड़ों रुपया बटोर रही है। इसके पीछे और कोई नहीं नगर निगम के अधिकारियों की कृपा की वजह से नगर निगम को हर साल करोडों रूपयों का चूना लगाया जा रहा है। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत शहर में यूरिनल्स के बदले लगे यूनीपोल वाले टेंडर हथियाने के पीछे बड़ा फ्रॉड सामने आया है। इसमें अधिकारियों एवं एंजेसी के गठजोड़ का खेल है। इसकी सटीकता से जांच हुई तो वर्तमान से लेकर तत्कालीन अधिकारियों का फंसना तय है।

पुख्ता सूत्रों के अनुसार वर्ष दिसंबर 2022 में स्मार्ट परियोजना से एक टेंडर निकाला गया है। इसमें शहर के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों में 50 स्मार्ट यूरिनल्स एंड टायलेट बना कर उसके बदले में यूनीपोल लगाना था और नगर निगम को आधा शुल्क जमा करना था। टेंडर में एक्सीलेंट इंटरनेंटमेंट नेटवर्क कानपुर और ताश एडटाइजिंग एंड डेवलॅपर्स प्राइवेट लिमिटेड मालरोड कानपुर की एंजेसियों ने भाग लिया। ताश एडटाइजिंग एंजेसी ने 3 लाख रूपए और एक्सीलेंट मीडिया ने 3 लाख 25 हजार रूपए प्रति नग नगर निगम को शुल्क देने का ऑफर किया। इसपर नगर निगम ने चयनित एक्सीलेंट मीडिया एंजेसी से निगोशिएट करके 3 लाख 50 हजार रुपए लगाकर टेंडर दे दिया। अब स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट और विज्ञापन एंजेसी के बीच हुए एलओए में तगडा खेल कर दिया गया। सूत्रों का दावा है कि एलओए प्लस एग्रीमेट में 50 यूरिनल्स लिखकर 3 लाख 50 हजार का वर्क आर्डर जारी कर दिया गया।

जबकि वर्क आर्डर में 3.50 लाख म 50 करना चाहिए। जबकि इसमें = कर दिया गया। इस तरह स्मार्ट सिटी, नगर निगम के अधिकारियों ने एंजेसी के साथ मिलकर म और = में खेल करके जमकर भ्रष्टाचार किया। इस तरह से नगर निगम को हर साल 3 करोड 46 लाख का रूप्ए का चूना विज्ञापन एंजेसी लगा रही है। इसमें नगर निगम के अधिकारी जानकर भी अनजान बने हुए हैं। बीते वर्ष मामला उठा तो तत्कालीन नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने जांच कराने की बात कही थी लेकिन मामला ठंडे बस्ते में चला गया।

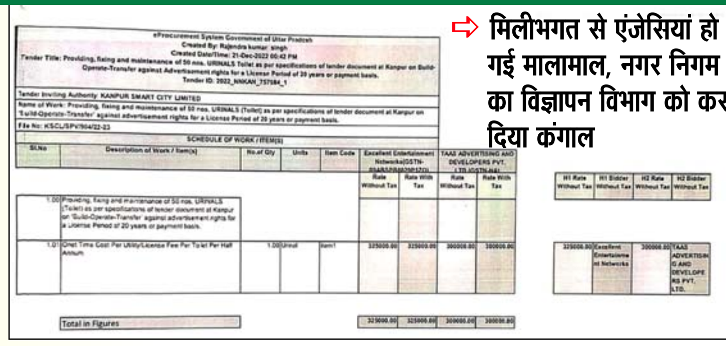
Total in Figures

➪ मिलीभगत से एंजेसियां हो गई मालामाल, नगर निगम का विज्ञापन विभाग को कर दिया कंगाल

3 से कम टेंडर, फिर भी दे दिया ठेका

खेल कितना बडा किया गया यह भी समझिए, आनलाइन टेंडर में दो फर्मो ने ही प्रतिभाग किया इसमें एक फर्म को टेंडर दे दिया गया। जब कि विभागीय नियमावली के तहत 3 से कम टेंडर आने पर बिड कैंसिल हो जाती है लेकिन पैसों की खनक के आगे अफसरों ने आंखें बंद कर ली थी। इस तरह से विज्ञापन विभाग के खजाने में चूना लगाया जा रहा है। वहीं, नगर निगम लखनउ हर साल 15 करोड की आय विज्ञापन विभाग से करता है। जब कि कानपुर एक औद्योगिक नगरी है यहां के बडे बडे ब्रांड पूरे देश दुनियां में बिजनेस करते हैं। इसके बाद भी नगर निगम का विज्ञापन बदहाली से गुजर रहा है।

स्वराज इंडिया एक्सक्लूसिव

➪ नगर निगम के तत्कालीन अधिकारियों मिलीभगत से हर साल करोडों रूप्यों का लगाया जा रहा चूना

मरियमपुर हॉस्पिटल के सामने बने पब्लिक यूरिनल का हाल देखिए

बेंगलुरु फ्लाइट फिर कटी, 36 दिन बाद ही सप्ताह में तीन दिन पर सिमटी सेवा

शहर से दिल्ली-मुंबई ही नियमित, अन्य महानगरों की उड़ानों पर लगा ब्रेक

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहरवासियों को बेंगलुरु के लिए नियमित हवाई सेवा का लाभ महज 36 दिनों तक ही मिल सका। शुक्रवार से एक बार फिर बेंगलुरु की फ्लाइट को सप्ताह में तीन दिन कर दिया गया है, जिसके चलते शुक्रवार को यह उड़ान नहीं आई। अब पहले की तरह यह फ्लाइट केवल मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को ही संचालित होगी।

कोलकाता समेत अन्य प्रमुख शहरों के लिए नई उड़ानों की जल्द शुरुआत के दावों के बीच यह फैसला शहर की हवाई कनेक्टिविटी के लिए एक और झटका माना जा रहा है। वर्तमान में शहर से केवल दिल्ली और मुंबई की फ्लाइट ही नियमित रूप से संचालित हो रही हैं। वहीं हैदराबाद के लिए सप्ताह में चार दिन सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार उड़ान की सुविधा उपलब्ध है।

लंबे समय से शहरवासी बेंगलुरु की नियमित फ्लाइट की मांग कर रहे थे। संचालन की समस्या के बीच इंडिगो ने 10 दिसंबर से बेंगलुरु फ्लाइट को नियमित किया था। 7 दिसंबर को जारी शेड्यूल के अनुसार इसे सप्ताह में चार दिन सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार संचालित किया जा रहा था, लेकिन अब इसे फिर से तीन दिन कर दिया गया है। एयरपोर्ट निदेशक प्रदीप यादव ने बताया कि बेंगलुरु की फ्लाइट अब मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को ही मिलेगी। फ्लाइट के आने का समय 12:20 बजे और जाने का समय 1:25 बजे निर्धारित है।

बृजेंद्र स्वरूप पार्क स्थित मंगल भवन में शुरू हुई बुकिंग, पहली बुकिंग सामूहिक विवाह के नाम

निर्माण समय से लेकर लोकपर्ण तक रहा विवाद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नगर में चर्चा का विषय बने बृजेंद्र स्वरूप पार्क स्थित मंगल भवन की बुकिंग प्रक्रिया अब औपचारिक रूप से प्रारंभ हो चुकी है। इस मंगल भवन की पहली बुकिंग पार्षद वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा सामाजिक सरोकार से जुड़े सामूहिक विवाह आयोजन के लिए कराई गई है।

पार्षद वेलफेयर एसोसिएशन ने दिनांक सत्रह जनवरी दो हजार छब्बीस को मंगल भवन की प्रथम बुकिंग कराते हुए सोलह हजार रुपये की रसीद कटवाई। इस बुकिंग के अंतर्गत दिनांक अठारह जनवरी दो हजार छब्बीस को मंगल भवन में कुल ग्यारह जोड़ों का सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया जाएगा।इस अवसर पर पार्षद वेलफेयर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष पार्षद आकर्ष बाजपेई तथा संपत्ति विभाग से चंद्रेश त्रिपाठी की उपस्थिति रही। आयोजन को लेकर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मंगल भवन जैसे सुव्यवस्थित और सुलभ स्थल पर सामूहिक विवाह का आयोजन समाज के जरूरतमंद वर्गों के लिए बड़ी राहत और सहयोग साबित होगा।

नगरवासियों के बीच लंबे समय से चर्चा में रहे मंगल भवन की बुकिंग शुरू होने से अब अन्य सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक आयोजनों के लिए भी रास्ता खुल गया है। पहली ही बुकिंग का सामूहिक विवाह जैसे सामाजिक आयोजन के लिए होना, मंगल भवन की सामाजिक उपयोगिता को रेखांकित करता है।

पार्षदों के सहयोग से जल्द लगेगी गणेश जी की मूर्ति

मंगल भवन के मुख्य गेट पर गणेश भगवान की एक मूर्ति लगाने का प्रस्ताव पार्षदों की ओर से दिया गया है । इसमें तमाम पार्षदों ने ?1000 का सहयोग किया है। भव्य मूर्ति की स्थापना जल्द होगी।

सड़क पर कीचड़, गलियों में नाली का पानी, स्वच्छ भारत पर उठ रहे सवाल

» शिकायतों के बावजूद अफसर मौन, ग्रामीण नारकीय जीवन जीने को मजबूर

ग्रामीणों का आरोप, ब्लॉक मुख्यालय के अफसर नहीं करते हैं समय पर निरीक्षण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश की सरकार लगातार स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांवों में साफ सुथरा बनाने के लिए लाख प्रयास कर रही है लेकिन ब्लॉक मुख्यालय में तैनात अफसर की मनमानी गांव के ग्रामीणों ने भारी पड़ रही है। ब्लॉक मलासा क्षेत्र के सनाया खेड़ा माजरा अनंतरामपुरवा गांव में स्वच्छ भारत मिशन सिर्फ कागजों तक सीमित नजर आ रहा है। गांव की गलियों में गंदगी, कीचड़ और नालियों का ओवरफ्लो पानी ग्रामीणों की रोजमर्रा की पहचान बन चुका है। हालात इतने बदतर हैं कि गांव में प्रवेश करते ही बदइंतजामी और लापरवाही साफ दिखाई देती है।

गांव की नालियां लंबे समय से साफ नहीं की गई हैं, जिसके चलते वे चोक होकर सड़कों पर बह रही हैं। गंदा पानी और कीचड़ गलियों में जमा होने से लोगों को उसी के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है। लगातार बहते नाली के पानी से उठती दुर्गंध ने ग्रामीणों का जीना मुहाल कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में तैनात सफाई कर्मी महीनों तक दिखाई नहीं देते। कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो ग्राम प्रधान ने ध्यान दिया और न ही जिम्मेदार अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। इससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

गांव के राजू, प्रमोद और बाबू सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि गंदगी के कारण बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं सबसे ज्यादा परेशान हैं। लोग फिसलन और संक्रमण के खतरे के बीच इधर-उधर से निकलकर किसी तरह अपने घरों तक पहुंच रहे हैं।सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब स्वच्छता के नाम पर हर साल लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, तो अनंतरामपुरवा गांव की यह दुर्दशा क्यों बनी हुई है? क्या जिम्मेदार विभाग किसी बड़ी बीमारी या हादसे का इंतजार कर रहा है? ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल नालियों की सफाई कराने और दोषी जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। डीपीआरओ विकास पटेल से संपर्क करने का प्रयास दो बार किया लेकिन संपर्क नहीं हो सका है बीडीओ मलासा संजय कनौजिया ने बताया है कि जानकारी नहीं है सफाई कर्मियों की टीम भेजकर साफ सफाई करा दी जायेगी।

सम्पादकीय

बीएमसी के नतीजे बड़े बदलाव के संकेत

महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा के नेतृत्व में महायुति गठबंधन की महत्वपूर्ण सफलता ने राज्य में बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेत दे दिया है, जो आने वाले दशकों में राज्य की भगवा राजनीति की विरासत पर वर्चस्व की दिशा भी तय करेगा। राज्य के विधानसभा चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन द्वारा विपक्ष को करारी शिकस्त देने के एक साल से कुछ अधिक समय के बाद अब सत्तारूढ़ गठबंधन ने राज्यव्यापी स्थानीय निकाय चुनावों में अपना दबदबा कायम कर लिया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दशकों तक शिवसेना के वर्चस्व वाले बहुचर्चित बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी के चुनावों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। निश्चित रूप से इस हालिया परिणाम से आने वाले सालों में मुंबई की सत्ता में निर्णायक बदलाव आएगा। अविभाजित पार्टी के रूप में, बाल ठाकरे द्वारा स्थापित शिवसेना ने दशकों तक भारत की वित्तीय राजधानी पर शासन किया। लेकिन अब भाजपा की अगुवाई में शिवसेना से अलग हुए एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला गुट बीएमसी में अहम भूमिका निभाएगा। जैसे महाराष्ट्र सरकार में एकनाथ शिंदे उप मुख्यमंत्री की भूमिका निभा रहे हैं, वैसी बीएमसी में पार्टी की भूमिका रहेगी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दो दशक बाद ठाकरे भाइयों की पार्टियों के एकजुट होकर लड़ने के बावजूद राज्य में महायुति की लहर रुकी नहीं। यही वजह है कि पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की हाल ही में सामने आई प्रतीकात्मक एकता चुनावी सफलता में बदलने में कामयाब नहीं हो सकी। वहीं दूसरी ओर शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुटों के बीच गठबंधन पूणे में बुरी तरह विफल हो गया। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र की राजनीति में बीएमसी चुनाव परिणामों के गहरे निहितार्थ रहे हैं। बहुचर्चित बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी को देश का सबसे धनी नगर निगम होने का गौरव हासिल है। जिसके चलते इसका राजनीतिक महत्व बहुत अधिक है। महाराष्ट्र की राजनीति में बीएमसी के महत्व का अंदाजा इसके बजट से लगाया जा सकता है। इसका बजट वर्ष 2025-26 के लिये 74,427 करोड़ रुपये का है, जो हिमाचल प्रदेश और गोवा जैसे राज्यों के बजट से भी अधिक है। ऐसे में हालिया स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन के वर्चस्व के बाद स्थानीय निकाय की नई संरचना का मुंबई के शासन, नीतिगत प्राथमिकताओं और महाराष्ट्र की राजनीतिक गतिशीलता पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। यहां सकारात्मक पहलू यह भी है कि जनता ने विकास की आकांक्षा को तरजीह दी और क्षेत्रीय संकीर्णता के नारे को खारिज किया। चुनाव परिणाम मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विकास के वादे का समर्थन करते हैं। हालांकि, ठाकरे परिवार का 'मराठी मानुष' कार्ड ज्यादा मतदाताओं को आकर्षित नहीं कर पाया। एक बार फिर महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों में कांग्रेस हाशिये पर नजर आई। निर्विवाद रूप से महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों ने विपक्ष के महा विकास अघाड़ी गठबंधन के भविष्य पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है, जिसके घटक दल पहले ही महाराष्ट्र की राजनीति में प्रासंगिक बने रहने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। राजनीतिक पंडित कह रहे हैं कि महाराष्ट्र की राजनीति में बरसों तक वर्चस्व रखने वाले ठाकरे और पवार के राजनीतिक परिवार को राज्य में अपनी प्रासंगिकता बनाये रखने के लिये नये सिरे से प्रयास करने होंगे। वहीं दूसरी ओर इन चुनाव परिणामों का एक निष्कर्ष यह भी है कि भाजपा चुनावों में जीतने का गणित सीख गई है। पार्टी के बूथ मैनेजमेंट के साथ संघ का संबल उसकी विजय की राह प्रशस्त करता है। यही वजह है कि स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा न केवल अपने प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ती नजर आई, बल्कि अपने सहयोगियों पर भी भारी पड़ी है।यही वजह है कि पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की हाल ही में सामने आई प्रतीकात्मक एकता चुनावी सफलता में बदलने में कामयाब नहीं हो सकी। वहीं दूसरी ओर शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुटों के बीच गठबंधन पूणे में बुरी तरह विफल हो गया।

मशाल बन सत्ता को संभालने का साहित्यिक दायित्व

यशवंत सचदेव

एक दिन नेहरू और राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर संसद भवन में साथ-साथ चल रहे थे। अचानक नेहरू कुछ लड़खड़ाये। दिनकर ने उन्हें सहारा दिया। तब नेहरू ने दिनकर को धन्यवाद देते हुए कहा था आपने मुझे गिरने से बचा लिया।...एक दिन नेहरू और राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर संसद भवन में साथ-साथ चल रहे थे। अचानक नेहरू कुछ लड़खड़ाये। दिनकर ने उन्हें सहारा दिया। तब नेहरू ने दिनकर को धन्यवाद देते हुए कहा था आपने मुझे गिरने से बचा लिया। इस पर दिनकर ने मुस्कुराते हुए कहा था, 'साहित्य का काम है सत्ता को संभालना'। यह बात हमारे साहित्यकार कब समझेंगे?आप किसी को अपने घर बुलायें, और फिर उससे पूछें कि वह आपकी बातों से बोर तो नहीं हो रहा तो आप उससे क्या अपेक्षा करेंगे? यही न कि या तो वह आपसे कहेगा, अरे नहीं, आप तो बहुत अच्छी बातें बता रहे हैं, या फिर बोर हो रहा होगा तो कह देगा अपने मन की बात। ऐसे में आपसे अपेक्षा यह होती है कि आप शालीनता के साथ अपनी बात कहने का ढंग बदल देंगे। लेकिन यदि आप ऐसा न करके अपने अतिथि को अपने घर से निकल जाने और फिर कभी न बुलाने की बात कहने लगें तो आपको असभ्य और बदतमीज ही तो कहा जायेगा। उस दिन छत्तीसगढ़ के संत घासीदास विश्वविद्यालय में ऐसा ही हुआ। विश्वविद्यालय ने केंद्रीय साहित्य अकादमी के आर्थिक सहयोग से हिंदी कहानी की दशा-दिशा पर एक कार्यक्रम आयोजित किया था। देश के बड़े-बड़े साहित्यकार वहां उपस्थित थे। इनमें से एक मनोज रूपड़ा भी थे, जिनकी गणना हिंदी के श्रेष्ठ कहानीकारों में होती है। मेजबान कुलपति शायद स्वागत भाषण दे रहे थे। अचानक उन्होंने सामने बैठे अपने एक अतिथि, मनोज रूपड़ा से पूछ लिया वे उनकी बातों से ऊब तो नहीं रहे और मनोज रूपड़ा ने ईमानदारी से कह दिया, आप मुद्दे पर बोलें तो ज़्यादा अच्छा रहेगा।

कुलपति महोदय ने इसे अपना अपमान समझा और यह कहते हुए कि वरिष्ठ कहानीकार में वॉइस चांसलर से बात करने का विवेक नहीं है, उन्हें फटकारते हुए हाल से बाहर निकलने का आदेश दे दिया। रूपड़ा उठकर बाहर चले गये, पर यह प्रकरण देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। सब तरफ कुलपति के 'असभ्य' व्यवहार की आलोचना हो रही है।जिसने भी वायरल वीडियो पर यह प्रकरण देखा-सुना है, वह हैरान ही हो सकता है कि कुलपति जैसे ऊंचे आसन पर बैठा व्यक्ति इतना अनुचित व्यवहार कैसे कर सकता है! उम्मीद यह की जा रही थी कि कार्यक्रम के मेजबान कुलपति अपनी ग़लती का अहसास करते हुए क्षमा मांग लेंगे, या कम से कम अपने व्यवहार पर खेद तो व्यक्त करेंगे ही। पर घटना के पांच-छह दिन गुजर जाने और देशभर में उनके व्यवहार की हो रही भर्त्सना के बावजूद उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया है!इस दौरान साहित्य अकादमी ने एक अच्छा काम अवश्य किया हैङ्क अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने इस घटना पर खेद व्यक्त करते हुए घोषणा की है कि संत घासीदास विश्वविद्यालय को आगे से अकादमी किसी भी प्रकार की आर्थिक सहायता नहीं देगी और न ही विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कोई कार्यक्रम करेगी। यह एक स्वागत-योग्य निर्णय है। खासकर ऐसी स्थिति में जबकि कुछ ही दिन पहले केंद्र सरकार द्वारा अकादमी के पुरस्कारों की घोषणा रोकने पर अकादमी की चुप्पी की आलोचना हो रही थी, साहित्य अकादमी का यह निर्णय कुछ दिलासा देने वाला है।

बहरहाल, इसमें कोई संदेह नहीं कि विवादों में घिरे कुलपति ने सिर्फ एक साहित्यकार का नहीं, पूरे साहित्य-जगत का अपमान किया है। अपमान तो उन्होंने कुलपति के पद और अपने विश्वविद्यालय का भी किया है। जिन शब्दों में, और जिस लहजे में, कुलपति महोदय ने एक साहित्यकार की भर्त्सना की थी, होना तो यह चाहिए था कि उससे वहां उपस्थित सारे साहित्यकार और बाकी श्रोता भी, स्वयं को अपमानित महसूस करते। कुछ लोग अवश्य तब उठकर हाल से बाहर चले गये थे, पर सवाल यह उठता है कि जो साहित्यकार नहीं गये, वे क्यों बैठे रहे? उन्हें क्यों नहीं लगा कि कुलपति महोदय ने एक रचनाकार का ही नहीं, सारे साहित्यकारों का अपमान किया है। आश्चर्य तो इस बात पर भी होना चाहिए कि घटना के बाद लोगों ने उस कार्यक्रम में बैठे रहना उचित समझा। बताया जा रहा है कि आयोजन में कई वरिष्ठ साहित्यकार भी उपस्थित थे। न उन्हें वहां बैठे रहना ग़लत लगा और न ही असभ्य व्यवहार करने वाले कुलपति के हाथों 'सम्मानित' होना! यही नहीं, घटना के इतने दिनों बाद भी, वहां बैठे रहे साहित्यकारों का कोई बयान सामने न आना भी एक रहस्यमयी चुप्पी ही लगता है।शायद रहस्यमयी नहीं है यह चुप्पी।

वे चुप क्यों रहे, यह वही जानें, पर यह अपने आप में कोई रहस्य नहीं है कि सत्ता, चाहे वह राजनीतिक हो अथवा प्रशासनिक, अक्सर साहित्य को अपने अधीन रखना चाहती है। चाहती ही नहीं, अधीन मानती भी है। न वह इतिहास से कुछ सीखना चाहती है, न ही वर्तमान को समझना चाहती है। पता नहीं, कुर्सी पर बैठे लोगों को यह याद क्यों नहीं रहता कि कभी बुंदेलखंड के राजा छत्रसाल ने कवि भूषण की पालकी को कंधा देकर उनके प्रति अपना सम्मान प्रकट किया था। इस इतिहास को कोई चाहे तो कल्पना भी कह सकता है, पर समझने की बात यह है कि राजा छत्रसाल और कवि भूषण का यह प्रकरण सत्ता और साहित्य के रिश्तों को परिभाषित करने वाला है। यहीं यह भी समझना ज़रूरी है कि किसी छत्रसाल (सत्ता) द्वारा सम्मानित होने के लिए भूषण (साहित्य) को अपनी पात्रता भी सिद्ध करनी होती है। संत घासीदास विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति के द्वारा अनुचित व्यवहार के दौरान वहां उपस्थित साहित्यकारों की चुप्पी यही संकेत देती है कि या तो उन्होंने घटना में निहितार्थ को नहीं समझा या उनमें सत्ता के अनुचित घमंड का प्रतिकार करने का साहस नहीं था। ऐसे साहित्यकारों को अपने आप से यह सवाल पूछना चाहिए कि अनुचित का प्रतिकार करना उन्होंने ज़रूरी क्यों नहीं समझा। वह यह क्यों भूल गये कि साहित्य का काम सत्ता को संभालना होता है, मशाल बनकर आगे चलना होता है।

बचत और खर्च का असंतुलनः नये भारत के लिए बड़ी चुनौती

भारतीय परंपरा

डा0 सुधीर कुमार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में युवाओं की भूमिका को हमेशा निर्णायक माना है और वे बार-बार यह संदेश देते रहे हैं कि बचत केवल व्यक्तिगत सुरक्षा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव है। उनके अनुसार उपभोग से पहले बचत की संस्कृति युवाओं में आत्मनिर्भरता, अनुशासन और दीर्घकालिक सोच का विकास करती है।

महामारी के बाद की दुनिया केवल स्वास्थ्य के स्तर पर ही नहीं, बल्कि आर्थिक सोच और व्यवहार में भी एक बड़े संक्रमण से गुज़री है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव, बढ़ती महंगाई, तकनीक-आधारित बाजार और उपभोक्तावादी संस्कृति के तीव्र प्रसार ने लोगों की खर्च करने की प्रवृत्ति को असाधारण रूप से बढ़ा दिया है। इस बदलाव का सबसे गहरा असर घरेलू बचत पर पड़ा है। भारत सहित अनेक देशों में घरेलू बचत दरें ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर पहुंच चुकी हैं। उपभोग बढ़ रहा है, लेकिन भविष्य की सुरक्षा के लिए आवश्यक बचत निरंतर घटती जा रही है। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक चिंता का विषय भी बनती जा रही है। भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए घरेलू बचत सदैव विकास की रीढ़ रही है। बुनियादी ढांचे से लेकर औद्योगिक निवेश तक, भारत की विकास गाथा में घरेलू बचत की भूमिका निर्णायक रही है। परंतु आज स्थिति यह है कि विशेषकर युवा पीढ़ी में बचत की दर 10 से 15 प्रतिशत तक सिमट गई है। यह आंकड़ा किसी भी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए संतोषजनक नहीं कहा जा सकता। जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब बचत और खर्च के बीच असंतुलन एक गंभीर चेतावनी के रूप में सामने आ रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में युवाओं की भूमिका को हमेशा निर्णायक माना है और वे बार-बार यह संदेश देते रहे हैं कि बचत केवल व्यक्तिगत सुरक्षा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव है। उनके अनुसार उपभोग से पहले बचत की संस्कृति युवाओं में आत्मनिर्भरता, अनुशासन और दीर्घकालिक सोच का विकास करती है। जन-धन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, अटल पेंशन योजना, डिजिटल बचत और निवेश के माध्यमों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने यह स्पष्ट किया है कि छोटे-छोटे नियमित निवेश भविष्य की बड़ी आर्थिक शक्ति बनते हैं। मोदी का विचार है कि जब युवा वर्ग आज अनावश्यक खर्च से बचकर बचत और उत्पादक निवेश की ओर अग्रसर होगा, तभी भारत की

अर्थव्यवस्था स्थिर, समावेशी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकेगी; क्योंकि आत्मनिर्भर युवा ही सशक्त भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। भारतीय परंपरा में बचत को केवल आर्थिक क्रिया नहीं, बल्कि एक सद्गुण माना गया है। ÷आज की बचत, कल का संबल÷ जैसी कहावतें हमारे सामाजिक व्यवहार का हिस्सा रही हैं। गृहस्थ जीवन में संतुलन, संयम और संचय को जीवन-मूल्य के रूप में स्वीकार किया गया। बच्चों की गुल्लक, अनाज के कोठार, गहनों के रूप में सुरक्षित धन, और त्योहारों पर सीमित व सादगीपूर्ण खर्च-ये सब भारतीय जीवनशैली के अभिन्न अंग थे। संकट के समय भारतीय परिवार किसी के सामने हाथ फैलाने की बजाय अपनी जमा पूंजी और संसाधनों पर भरोसा करता था। यह आत्मनिर्भरता भारतीय समाज की शक्ति रही है। लेकिन बदलती जीवनशैली और बाजार-प्रेरित संस्कृति ने इस परंपरा को कमजोर किया है। आज 'जियो अभी' की मानसिकता, आसान कर्ज, ईएमआई संस्कृति, क्रेडिट कार्ड, ऑनलाइन शॉपिंग और सोशल मीडिया पर दिखावे की प्रतिस्पर्धा ने खर्च को एक प्रकार की पहचान बना दिया है। उपभोग अब आवश्यकता से अधिक आकांक्षा से संचालित होने लगा है। अनुभवों, ब्रांड और त्वरित संतुष्टि को प्राथमिकता देने से दीर्घकालीन वित्तीय सुरक्षा पीछे छूटती जा रही है। विशेषकर जेन-जी और युवा मिलेनियल पीढ़ी के लिए बचत एक बोझ या भविष्य की अस्पष्ट चिंता जैसी प्रतीत होने लगी है। यह स्थिति भारतीय दर्शन की मूल भावना के विपरीत है। भारतीय विचार परंपरा न अति भोग की पक्षधर है, न अति त्याग की। संयम, संतुलन और विवेक का मार्ग ही श्रेष्ठ माना गया है। यही सिद्धांत आर्थिक जीवन में भी लागू होता है। उपभोग आवश्यक है, क्योंकि इससे अर्थव्यवस्था गतिशील रहती है, रोजगार सृजन होता है और नवाचार को प्रोत्साहन मिलता है। परंतु जब खर्च अनियंत्रित हो जाए और बचत उपेक्षित हो जाए, तब व्यक्ति ही नहीं, समाज और राष्ट्र भी असुरक्षित हो जाते हैं। अनुभवों, ब्रांड और त्वरित संतुष्टि को प्राथमिकता देने से दीर्घकालीन वित्तीय सुरक्षा पीछे छूट रही है। भारतीय आर्थिक सोच में बचत को आर्थिक सुरक्षा और विकास का आधार माना जाता है, जहाँ घर-परिवार की आय का एक बड़ा हिस्सा (लगभग 70 प्रतिशत) घरेलू बचत से आता है, जो सोने, स्थायी जमा और पीपीएफ जैसी योजनाओं में होता है, लेकिन नई पीढ़ी में 'खर्च करो' की सोच बढ़ी है, जिससे बचत की दरें घट रही हैं, जबकि वित्तीय साक्षरता और सरकारी योजनाओं (पीपीएफ, एनएससी, सुकन्या समृद्धि) के जरिए इसे फिर से बढ़ाने पर जोर है, क्योंकि बचत से ही निवेश और आर्थिक विकास संभव है। आज की वैश्विक परिस्थितियां इस असुरक्षा को और गहरा कर रही हैं। भू-राजनीतिक तनाव, युद्ध, जलवायु संकट, तकनीकी बदलाव और रोजगार की अनिश्चितता यह संकेत देती है कि भविष्य पहले से अधिक अस्थिर है। ऐसी स्थिति में बचत और निवेश दोनों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि भारतीय समाज अपनी बचत संस्कृति से दूर होता गया, तो दीर्घकाल में आर्थिक आत्मनिर्भरता कमजोर पड़ सकती है। विदेशी पूंजी पर निर्भरता बढ़ेगी और घरेलू संसाधनों की भूमिका सीमित होती जाएगी।

युवाओं को वित्तीय साक्षरता के माध्यम से बचत और निवेश का महत्व समझाना होगा। यह भी ध्यान देने योग्य है कि बचत में गिरावट का सीधा प्रभाव पारिवारिक एवं सामाजिक सुरक्षा पर पड़ता है। भारत में अभी भी व्यापक सामाजिक सुरक्षा तंत्र सीमित है। पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और बेरोजगारी सहायता जैसी व्यवस्थाएं पूरी आबादी को नहीं कवर करतीं।

गौकशी प्रकरण पर मुख्यमंत्री से मिले विधायक, सख्त कार्रवाई का भरोसा मिला

चेयरमैन इकलाख समेत कई लोगों पर दर्ज है गोहत्या का मुकदमा

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर में गौकशी प्रकरण को लेकर क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर गुरुवार को अपने भाई ललित सोनकर के साथ लखनऊ पहुंचे और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। विधायक ने मुख्यमंत्री को पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

विधायक ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए कहा कि गोकशी और गोवंश के अपमान से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह के अपराधों में शामिल लोगों के खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी और अंतिम दोषी तक कार्रवाई सुनिश्चित होगी। विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने बताया कि मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि मामले में निष्पक्ष जांच होगी और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। विधायक ने बिल्हौर विधानसभा की जनता को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे इस संवेदनशील मामले को लेकर लगातार शासन-प्रशासन के संपर्क में हैं और न्याय दिलाकर रहेंगे।

➩ मामले में इंस्पेक्टर, दो दरोगा समेत एक सिपाही हो चुके हैं निलंबित

विधायक और उनके समर्थकों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर तहरीर

कस्बे में गोकशी के मामले को लेकर फैले तनाव के बीच समाजवादी पार्टी की वरिष्ठ नेत्री व पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रचना सिंह गौतम ने भाजपा विधायक राहुल बच्चा सोनकर और उनके समर्थकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर थानाध्यक्ष बिल्हौर को तहरीर सौंपी। रचना सिंह गौतम ने बताया कि गोकशी की घटना सामने आने के बाद पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज किया गया, और लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया। इसके बावजूद विधायक और उनके समर्थकों द्वारा थाने पहुंचकर दबाव बनाने, पुलिस अधिकारियों को धमकाने और माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया गया है। तहरीर में कहा गया है कि कथित उकसावे के बाद क्षेत्र की कुछ बस्तियों में तोड़फोड़ और पथराव की घटनाएं हुईं, जिससे सामाजिक तनाव बढ़ा। कुशवाहा समाज के लोगों की गाड़ियों और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने तथा सोशल मीडिया पर महिलाओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणियों का भी उल्लेख किया गया है। रचना सिंह गौतम ने इन सभी मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की अपील की है। साथ ही उन्होंने जनता से शांति बनाए रखने और कानून पर भरोसा रखने की अपील की।

बिल्हौर में वकीलों का प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपा

हैदरगढ़ टोल प्लाजा प्रकरण

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बाराबंकी जनपद के हैदरगढ़ टोल प्लाजा पर एक अधिवक्ता के साथ हुई कथित मारपीट और अधिवक्ता समाज के प्रति आपत्तिजनक भाषा के प्रयोग को लेकर प्रदेशभर के वकीलों में भारी आक्रोश व्याप्त है। इसी क्रम में बिल्हौर में एकीकृत एडवोकेट बार एसोसिएशन के तत्वावधान में अधिवक्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

एसोसिएशन के अध्यक्ष विनीत गुप्ता एवं महामंत्री अनुराग द्विवेदी के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी डॉ. संजीव कुमार दीक्षित को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से अधिवक्ता रत्नेश शुक्ला के साथ टोल प्लाजा कर्मियों द्वारा की गई कथित मारपीट तथा अधिवक्ता वर्ग के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणियों पर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया।

प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं ने कहा कि यह घटना न केवल निंदनीय और शर्मनाक है, बल्कि प्रदेश की कानून व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश के विभिन्न टोल प्लाजा पर आए दिन कर्मचारियों द्वारा बदसलूकी, गाली-गलौज और मारपीट की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे आम नागरिकों के साथ-साथ अधिवक्ताओं की सुरक्षा भी खतरे में है।

अधिवक्ताओं का कहना था कि टोल प्लाजा संचालकों द्वारा जानबूझकर असामाजिक प्रवृत्ति के लोगों को नियुक्त किया जा रहा है, जिससे भय और अराजकता का माहौल बन रहा है। उन्होंने मांग की कि दोषी टोल कर्मियों के साथ-साथ संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई करते हुए उसका अनुबंध तत्काल निरस्त किया जाए। एसोसिएशन के संरक्षक अनिल अग्निहोत्री, अभिषेक द्विवेदी, योगेंद्र शुक्ला, धीरेंद्र प्रताप सिंह, अशोक शुक्ला सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

सांसद ने चौकों-छक्कों से खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर स्थित बीआईसी इंटर कॉलेज मैदान में टीटीएस क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि मिश्रिख लोकसभा सांसद एवं भाजपा नेता अशोक रावत ने फीता काटकर किया।

सांसद अशोक रावत ने मैदान में उतरकर दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने एक ओवर खेलते हुए चौकों-छक्कों की आकर्षक बल्लेबाजी कर खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। सांसद की बल्लेबाजी से खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिला। टूर्नामेंट के आयोजक सलमान इदरीसी ने मुख्य अतिथि का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर सांसद अशोक रावत ने खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के खेल आयोजन युवाओं को नशा और भटकाव से दूर रखकर सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने बिल्हौर क्षेत्र में एक आधुनिक क्रिकेट ग्राउंड उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि रवि बाजपेई, भाजपा नेता जेपी कटियार, बिल्हौर ग्रामीण मंडल अध्यक्ष शुभ्रांशु कटियार, भाजपा नेता शोभित दीक्षित, एडवोकेट रामू शुक्ला, बिल्हौर बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री महेंद्र कुशवाहा, अपना दल अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष अर्जुन दिवाकर, रिंकू कटियार, अमन वर्मा, विशाल वर्मा, अबूजर, अनफासूल सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी व स्थानीय लोग उपस्थित रहे। इसके पश्चात सांसद अशोक रावत ग्राम औरंगपुर सांभी पहुंचे, जहां उन्होंने एडवोकेट अनुराग द्विवेदी के पिता एवं पूर्व प्रधानाचार्य स्वर्गीय सिद्ध गोपाल द्विवेदी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की और परिजनों को ढांढस बंधाया।

➩ सांसद अशोक रावत ने बिल्हौर को आधुनिक क्रिकेट ग्राउंड देने का दिया आश्वासन

ओवरलोड बालू लदे ट्रक बन रहे हादसों का कारण, ग्रामीणों में आक्रोश

खनन माफिया बेखौफ होकर एनजीटी के नियमों का उल्लंघन कर रहे

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर तहसील क्षेत्र के किशनपुरङ्खरतला खनन खंड से ओवरलोड बालू लदे ट्रक धड़ल्ले से निकल रहे हैं। इन ट्रकों की आवाजाही मुगल रोड सहित ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार बनी हुई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ओवरलोड वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई न होने से खनन माफिया बेखौफ होकर एनजीटी के नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, ओवरलोड ट्रक कई गांवों के बीच से होकर गुजरते हैं। वाहनों से उड़ने वाली बालू राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों की आंखों में चली जाती है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। कई बाइक सवार गिरकर घायल भी हो चुके हैं। वहीं घरों तक उड़कर पहुंचने वाली बालू से दैनिक उपयोग की सामग्री भी प्रभावित हो रही है।बताया जा रहा है कि खनन क्षेत्रों में लगे तौल कांटों पर सीसीटीवी कैमरे तो लगे हैं, लेकिन उनका प्रभावी उपयोग नहीं किया जा रहा। शाम होते ही अफसरिया मोड़ और मुगल रोड पर ओवरलोड बालू लदे ट्रकों की संख्या बढ़ जाती है। ग्रामीणों का आरोप है कि सामान्य वाहनों पर तो कार्रवाई होती है,लेकिनकिशनपुरङ्खरतला खनन खंड से निकलने वाले ओवरलोड ट्रकों के खिलाफ सख्ती नहीं दिखाई जा रही। इससे खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हैं।

इस संबंध में आरटीओ सोमलता यादव से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हो सका, जिससे उनका पक्ष ज्ञात नहीं हो पाया। वहीं तहसील प्रशासन का कहना है कि ओवरलोडिंग की शिकायतों को गंभीरता से लिया गया है और संबंधित विभागों को जांच कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का यह भी कहना है कि यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित वाहनों और संचालकों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं ग्रामीणों ने मांग की है कि ओवरलोड ट्रकों पर तत्काल रोक लगाई जाए, ताकि दुर्घटनाओं और प्रदूषण से राहत मिल सके।

पूर्व राष्ट्रपति के दौरे को लेकर डीएम एसपी ने लिया हेलीपैड का जायजा

» जिलाधिकारी कपिल सिंह ने सभी संबंधित विभागों को दिए निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद के 18 जनवरी 2026 को प्रस्तावित जनपद दौरे के दृष्टिगत जिलाधिकारी कपिल सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने आज थाना भोगनीपुर क्षेत्र अंतर्गत पुखरायां स्थित हेलीपैड का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, हेलीपैड की सुरक्षा, फ्लीट मूवमेंट तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा की। इस दौरान सुरक्षा के प्रत्येक पहलू पर विशेष ध्यान देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।जिलाधिकारी कपिल सिंह ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाए तथा कार्यक्रम के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। उन्होंने जनता की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोपरि रखने के निर्देश भी दिए। वहीं पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने सुरक्षा बलों की तैनाती, संचार व्यवस्था, तकनीकी संसाधनों के उपयोग तथा एंटी-सैबोटेज गतिविधियों की प्रभावी निगरानी पर विशेष जोर दिया।

कल्याणपुर में सड़कों पर छलक रहे जाम, डीसीपी के छापे में खुली पोल

चौकी प्रभारी के खिलाफ होगी विभागीय कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। डीसीपी पश्चिम ने बताया कि शराब की दुकान में अवैध कैंटीन की रिपोर्ट आबकारी विभाग को भेजी जाएगी। थाना प्रभारियों को निर्देश हैं कि सड़कों पर शराब पीने वालों को तत्काल गिरफ्तार कर कार्रवाई करें।कानपुर के कल्याणपुर में शराब ठेके के बाहर जाम छलक रहे हैं। शुक्रवार को डीसीपी ने कुछ दुकानों का निरीक्षण किया। एक दुकान पर बाहर शराब पीते कई लोग मिले। जबकि एक में अवैध कैंटीन चलती मिली। डीसीपी ने दुकान के कर्मचारियों और संबंधित चौकी इंचार्जों को भी फटकार लगाई। उन्होंने अनियमितता की रिपोर्ट आबकारी विभाग को भेजने के निर्देश दिए।डीसीपी पश्चिम कासिम आबिदी सबसे पहले टीम के साथ पनकी रोड चुंगी चौराहे पर पहुंचे। वहां देशी और अंग्रेजी शराब ठेकों के बाहर सड़क किनारे ही लोग जाम छलकाते मिले। अराजकता देख डीसीपी का पारा चढ़ गया। उन्होंने पनकी रोड चौकी प्रभारी को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने मौके पर मौजूद शराबियों के वाहन के चालान कटवाए और भविष्य में सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी।इसके बाद बारासिरोही स्थित शराब ठेके पर पहुंचे। यहां लोग बाहर शराब पीते मिले। उनके लिए अस्थाई रूप से इंतजाम किया गया था। निरीक्षण के दौरान शराब ठेके के भीतर अवैध रूप से कैंटीन संचालित होती मिली। डीसीपी ने थाना प्रभारी और एसीपी को 24 घंटे के भीतर रिपोर्ट तैयार कर आबकारी विभाग को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगर दोबारा कैंटीन चलती मिली, तो संबंधित चौकी प्रभारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

कोहरे के कारण हाईवे पर भिड़े वाहन, डंपर के केबिन में फंसा चालक

» तीन घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन

» छह किलोमीटर तक लगा लंबा जाम

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। महाराजपुर में घने कोहरे के कारण दो वाहनों की टक्कर हो गई, जिसमें डंपर चालक केबिन में फंस गया। फायर ब्रिगेड की तीन टीमों ने तीन घंटे की मशक्कत के बाद चालक को सुरक्षित बचा लिया। हादसे के चलते हाईवे पर घंटों यातायात बाधित रहा।

कानपुर के महाराजपुर थाना क्षेत्र में शनिवार को घने कोहरे की वजह से देर रात भीषण सड़क हादसा हो गया। नरवल मोड़ पर कानपुर-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर खड़े वाहन में फतेहपुर से कानपुर की ओर जा रहा डंपर पीछे से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि डंपर चालक अजय (40) पुत्र सतवीर निवासी ग्राम विटवारा जिला हिसार हरियाणा, केबिन में बुरी तरह फंस गया।

फायर बिग्रेड प्रभारी राहुल नंदन ने बताया कि 17 जनवरी की रात करीब एक बजे मिनी कंट्रोल से सूचना मिली कि नरवल मोड़ पर दुर्घटना हुई है और एक व्यक्ति वाहन में फंसा हुआ है। सूचना मिलते ही एफएस हर्बल यूनिट, नरवल एफएस और कर्नलगंज एफएस की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद चालक को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दुर्घटना के बाद कानपुर-प्रयागराज नेशनल हाइवे पर करीब तीन घंटे तक भीषण जाम लगा रहा। इससे हाईवे में करीब छह किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया। एनएचएआई और पुलिस की टीमों ने कड़ी मशक्कत के बाद जाम को समाप्त कराया। महाराजपुर थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि क्षतिग्रस्त वाहनों को हटा दिया गया है और फिलहाल यातायात सुचारू कर दिया गया है। पुलिस आगे की विधिक कार्रवाई में जुटी हुई है।

तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से युवक की मौत

कानपुर से लौटते समय हुआ हादसा, चालक मौके से फरार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। थाना रसूलाबाद क्षेत्र एक युवक की तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया। पितान पुरवा निवासी राहुल यादव (28)बाइक से कानपुर से घर लौट रहे थे। शिवली पार कर नया पुरवा गांव के पास पहुंचे, तभी विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार पिकअप (यूपी 78 जेएन 3953) के चालक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि राहुल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर परिजन और ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस का कहना है कि परिजनों की तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

वन-डे क्रिकेट टूर्नामेंट में कानपुर ने दर्ज की जीत

» अनुज पाल बने मैन ऑफ द मैच, दर्शकों ने खेल का मजा लिया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर तहसील के पुलंदर गांव में आयोजित 15 दिवसीय वनडे क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे दिन मैदान पर रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। कानपुर की टीम ने 28 रनों से हरा दिया। मौजूद दर्शकों ने तालियों से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया ।कानपुर और मंगोलपुर टीमों के बीच खेले गए मुकाबले में मंगोलपुर टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए कानपुर टीम ने निर्धारित ओवरों में 192 रन बनाए और मंगोलपुर को जीत के लिए 193 रनों का लक्ष्य दिया। मंगोलपुर की टीम 18 ओवर में 164 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। कानपुर टीम की ओर से मोंटू ने सर्वाधिक 47 रन बनाए, जबकि मंगोलपुर टीम की ओर से सत्यम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 88 रन की पारी खेली। अनुज पाल को मैन ऑफ द मैच चुना गया।ग्राम प्रधान प्रतिनिधि बीके तिवारी, अध्यक्ष धर्मवीर , सोनू भदौरिया, पंकज त्रिपाठी, गौरव तिवारी, अनुज सिंह , विकास आदि दर्शक उपस्थित रहे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम शुरू, 6 फरवरी तक दावे-आपत्तियां आमंत्रित

कानपुर देहात में 17, 18, 31 जनवरी और 1 फरवरी को विशेष अभियान दिवस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात । मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार कानपुर देहात में मतदाता सूचियों का विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी है। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कपिल सिंह ने बताया कि 1 जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर सभी विधानसभा क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का पुनरीक्षण किया जा रहा है। मतदाता सूची से संबंधित दावे और आपत्तियां 6 फरवरी 2026 तक स्वीकार की जाएंगी।

जिलाधिकारी ने बताया कि 18 जनवरी 2026 (रविवार) को सभी बूथ लेवल अधिकारी अपने-अपने बूथों पर सुबह 10ः30 बजे से शाम 04ः30 बजे तक उपस्थित रहेंगे। इस दौरान वे आलेख्य निर्वाचक नामावली को पढ़कर सुनाएंगे, जिससे आम नागरिक अपने नाम और विवरण की जांच कर सकें।

निर्वाचन आयोग ने चार विशेष अभियान दिवस भी निर्धारित किए हैं।

ये दिवस 17 जनवरी 2026 (शनिवार), 18 जनवरी 2026 (रविवार), 31 जनवरी 2026 (शनिवार) और 01 फरवरी 2026 (रविवार) हैं। इन विशेष अभियान दिवसों पर पदाभिहीत अधिकारी मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहेंगे।

इन अभियान दिवसों में 6 जनवरी 2026 को प्रकाशित आलेख्य निर्वाचक नामावली उपलब्ध रहेगी। इसके साथ ही, दावे एवं आपत्तियों से संबंधित आवश्यक प्रपत्र जैसे फॉर्म-6 (नया नाम जोड़ने हेतु), फॉर्म-7 (नाम विलोपन हेतु) और फॉर्म-8 (संशोधन हेतु) पर्याप्त संख्या में उपलब्ध कराए जाएंगे।

जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि विशेष अभियान दिवसों में उप जिला निर्वाचन अधिकारी, सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों का भ्रमण करेंगे। वे बूथ लेवल अधिकारियों, सुपरवाइजरों और पदाभिहीत अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे, ताकि कार्यक्रम का सफल और पारदर्शी क्रियान्वयन हो सके।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनपद के सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथियों में अपने नामों की जांच अवश्य कर लें।

यदि आवश्यक हो, तो समय पर दावे एवं आपत्तियां दर्ज कराएं, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध निर्माण को तुरंत रोका

» अवैध निर्माण की उपजिलाधिकारी से शिकायत हुई थी, लेखपाल ने मौके पर पहुंचे

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजस्व अभिलेखों में दर्ज कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध निर्माण किए जाने का आरोप लगाते हुए कुछ लोगों ने उपजिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपा है। शिकायत मिलने के बाद उपजिलाधिकारी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए लेखपाल को मौके पर भेजा, जहां निर्माण कार्य रुकवाया गया और शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

मामला रसूलाबाद नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत कानपुर रोड स्थित विकास नगर का है। यहां गाटा संख्या 3354, रकबा 0.1230 हेक्टेयर भूमि राजस्व रिकॉर्ड में कब्रिस्तान के रूप में दर्ज है, जो दशकों पुराना बताया जा रहा है।

शिकायतकर्ता पुत्तन निवासी गौतम बुद्ध नगर ने उपजिलाधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि प्रमोद गुप्ता सहित अन्य लोगों द्वारा कब्रिस्तान की भूमि पर निर्माण कर अवैध कब्जा किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि इससे पहले भी इस भूमि पर कब्जे के प्रयास किए जा चुके हैं। उपजिलाधिकारी के निर्देश पर मौके पर पहुंचे लेखपाल ने निर्माण कार्य तत्काल रुकवाया और पूरे प्रकरण की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने स्थिति पर नजर बनाए रखते हुए शांति व्यवस्था कायम रखने की बात कही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 । **Email:** swarajindia2023@gmail.com । **Mob:** 7800009853, । **Website:** www.swarajindianews.com । **(समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)** प्रादेशिक कार्यालय :4ए/5,119/10बी, खान बिल्डिंग, पार्क रोड हजरतगंज

‘हर घर जल’ योजनाः करोड़ों खर्च के बाद भी बूंद-बूंद पानी को तरसे ग्रामीण

सट्टी गांव में टंकी और नलकूप बने शोपीस, जांच की उठी मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अमरौधा ब्लॉक की सट्टी ग्राम पंचायत में ‘हर घर जल’ योजना की हकीकत सामने आ गई है। करीब चार करोड़ रुपये की लागत से बनी पानी की टंकी और दो नलकूप ग्रामीणों के किसी काम नहीं आ रहे हैं। योजना के तहत घर-घर पानी पहुंचाने का दावा किया गया था, लेकिन आज भी हजारों ग्रामीण पीने के पानी के लिए परेशान हैं। सट्टी ग्राम पंचायत में सट्टी की मड़ैया, मुलू की मड़ैया और काजी टोला सहित करीब 12 हजार की आबादी निवास करती है। बताया गया कि एक नलकूप की मोटर पिछले आठ दिनों से खराब पड़ी है, जबकि दूसरे नलकूप का तार करीब दो महीने पहले चोरी हो गया था। इसके बाद से जलापूर्ति पूरी तरह बाधित है, लेकिन किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने अब तक मौके पर पहुंचकर व्यवस्था दुरुस्त करने की जरूरत नहीं समझी।

पानी की किल्लत इतनी गंभीर हो चुकी है कि ग्रामीणों को निजी सबमर्सिबल पंपों से घंटों लाइन में लगकर पानी भरना पड़ रहा है। कई बार पानी को लेकर विवाद की स्थिति भी बन जाती है। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि जल निगम द्वारा लगभग 1500 कनेक्शन किए जाने के बावजूद पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। इसे लेकर कई बार उच्च अधिकारियों को लिखित शिकायतें दी गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है और योजना में बड़े स्तर पर लापरवाही व अनियमितता के आरोप लग रहे हैं।

गांव के रमेश पाल, ग्राम प्रधान इरफान अहमद, रघुवीर, बलबीर, शरीफ, रईस, सानू, मंजू, गुलाम रसूल अहमद, गुफरान, फैसल, निसारन, मुबीना, शहनाज, रिहाना, गुलनाज, अस्सो, फरीदा, चंद्रकांति और जरीना सहित कई ग्रामीणों ने मांग की है कि ‘हर घर जल’ योजना में हुए कार्यों की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और दोषी अधिकारियों व ठेकेदारों पर कार्रवाई हो। इस संबंध में जल निगम के एक्सईएन ए.के. कटारिया ने बताया कि समस्या के समाधान के लिए जेई को मौके पर भेजा जाएगा और खराब मोटर व अन्य तकनीकी खामियों को जल्द दुरुस्त कराया जाएगा।

10 साल पुरानी सड़क, 5 साल से जलभराव

अफसर ध्यान दे

» सरवन खेड़ा में अफसर बेपरवाह, ग्रामीण भुगत रहे हैं मुसीबत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। विकास के दावों के बीच सरवन खेड़ा की एक आबादी आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। जलनिकासी की व्यवस्था न होने से नाली का गंदा पानी इंटरलॉकिंग सड़क पर बह रहा है, जिससे करीब 20 घरों के लगभग 150 लोग रोजाना नारकीय हालात में जीवन बिताने को मजबूर हैं। सड़क पर हर समय जमा गंदा पानी न सिर्फ आवाजाही में बाधा बन रहा है, बल्कि स्वास्थ्य के लिहाज से भी गंभीर खतरा पैदा कर रहा है।

सरवन खेड़ाङ्करनिया मार्ग से सटी इस बस्ती में करीब दस वर्ष पूर्व इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण कराया गया था। उद्देश्य था कि लोगों को कीचड़ और जलभराव से राहत मिले, लेकिन सड़क की ऊंचाई कम रखे जाने और घरों के गंदे पानी की नालियों के लगातार चोक रहने से समस्या उलट और विकराल हो गई। हालात यह हैं कि घरों से निकला गंदा पानी सड़क पर फैलकर स्थायी जलभराव का रूप ले चुका है।गली से रोजाना गुजरने वाले छोटे-छोटे बच्चे अक्सर गंदे पानी में फिसलकर गिर जाते हैं और चोटिल हो रहे हैं। बुजुर्गों के लिए इस रास्ते से निकलना जोखिम भरा हो गया है। दुर्गंध और गंदगी के कारण आसपास रहने वालों का जीना मुहाल है, वहीं मच्छर और बीमारियों का खतरा लगातार मंडरा रहा है।इसी गली में स्थित ब्रह्मदेव मंदिर गांव की आस्था का केंद्र है। विवाह व अन्य धार्मिक आयोजनों के बाद होने वाले पूजन-पाठ के लिए गांव की महिलाएं इसी मंदिर में आती हैं, लेकिन बीते पांच वर्षों से सड़क पर भरे गंदे पानी के बावजूद समस्या के समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। श्रद्धालुओं को भी गंदे पानी से होकर मंदिर तक पहुंचना पड़ता है।मुहल्ले के निवासी विक्रम सिंह बताते हैं कि सड़क पर गंदा पानी भरा रहने से पैदल निकलना मुश्किल हो गया है। छोटे बच्चों को रास्ता पार कराने के लिए दूसरों की मदद लेनी पड़ती है, जबकि बुजुर्ग गिरने के डर से घर से निकलने से कतराते हैं। वहीं ज्ञानेंद्र सिंह का कहना है कि इस मुहल्ले के करीब डेढ़ सौ लोग वर्षों से इस समस्या को झेल रहे हैं। गंदगी के कारण संक्रामक बीमारियों का खतरा बना रहता है, लेकिन बार-बार शिकायतों के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई।

सर्दी में बच्चों पर निमोनिया का प्रहार, अस्पताल पहुंच रहे मरीज

» इस मौसम में हर उम्र के लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सुबह और रात में बढ़ती गलन भरी सर्दी व ठंडी हवाओं के कारण छोटे बच्चों में खांसी, बुखार के साथ-साथ निमोनिया के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। तेज बुखार, लगातार खांसी और सांस लेने में तकलीफ से पीड़ित बच्चों को अभिभावक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) की ओपीडी में उपचार के लिए ला रहे हैं।गिरते तापमान के कारण वायरल बुखार और खांसी के मरीजों की संख्या बढ़ी है।

चिकित्सकों के अनुसार बुखार लगभग पांच दिन में और खांसी 10 दिन में ठीक हो रही है, लेकिन बच्चों में खांसी का असर अधिक देखा जा रहा है। सर्दी की वजह से बच्चों को निमोनिया और कोल्ड डायरिया भी जकड़ रहा है। राजपुर पीएचसी की ओपीडी में प्रतिदिन 20 से 25 मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। शुक्रवार को कुल 104 मरीजों ने उपचार कराया, जिनमें अधिकांश सर्दी, जुकाम, खांसी और बुखार से पीड़ित थे। इनमें छोटे बच्चों की संख्या अधिक रही। डॉक्टरों ने सभी मरीजों की जांच कर आवश्यक दवाइयाँ दीं।पीएचसी में तैनात चिकित्सक डॉ. आकांक्षा मिश्रा ने बताया कि इस मौसम में हर उम्र के लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। लापरवाही गंभीर साबित हो सकती है। खासकर डायबिटीज, हाइपरटेंशन और थायराइड के मरीज नियमित रूप से दवाओं का सेवन करें। उन्होंने बताया कि सर्दी का मौसम बच्चों के लिए बेहद संवेदनशील होता है। थोड़ी-सी लापरवाही से बच्चे निमोनिया, कोल्ड डायरिया, सर्दी-जुकाम और बुखार की चपेट में आ सकते हैं। निमोनिया सांस से जुड़ी गंभीर बीमारी है, जिसमें फेफड़ों में संक्रमण हो जाता है, इसलिए समय पर इलाज बेहद जरूरी है।

एलिवेटेड रेलवे ट्रैक के निर्माण में परगही से मंधना तक 15 मकान बाधक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। अनवरगंज से मंधना तक एलिवेटेड रेलवे ट्रैक निर्माण कार्य में बाधक मकानों का सर्वे शुरू हो गया है। दो दिन में परगही से मंधना तक 15 मकान चिह्नित किए गए हैं। 10 दिन में यह कार्य पूरा कर यह तय किया जाएगा कि किसके हिस्से की कितनी भूमि अधिग्रहण की जाएगी। उसके बाद भूमि के हिसाब से पीडब्ल्यूडी मुआवजा तय करेगा और नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। यह कार्य मंधना से शुरू किया गया है।

चार दिन पहले राजस्व विभाग, पीडब्ल्यूडी और रेलवे की टीम ने यह सर्वे कार्य शुरू किया था। मंधना से लेकर अनवरगंज तक सर्वे होना है जिसके लिए पूरे कार्य को 25 ब्लॉक में बांटा गया है। शुक्रवार तक परगही से लेकर मंधना तक दो ब्लॉक का सर्वे कर लिया गया है। इसमें 15 मकान चिह्नित किए गए हैं। इस दौरान यह देखा जा रहा है कि किसके हिस्से की कितनी जमीन एलिवेटेड ट्रैक निर्माण की जद में आएगी। सब कुछ ठीक रहा तो मार्च–अप्रैल तक इस निर्माण कार्य का शिलान्यास होने की उम्मीद है। सर्वे टीम में पीडब्ल्यूडी से जेई राज शर्मा, एई श्यामजी श्रीवास्तव, रेलवे से सीनियर सेक्शन इंजीनियर अभिषेक यादव, राजस्व से देवेंद्र बाजपेई, विपिन कुमार, सुदीप दुबे, आशीष सैनी आदि है।

लव मैरिज के चार महीने बाद पत्नी की हत्या कर शव कंबल में लपेटा

पति ने थाने पहुंचकर किया सरेंडर, बोला आरोपी साहब, गला घोट दिया है, लाश घर पर है

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शहर के महाराजपुर थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। लव मैरिज के महज चार महीने बाद ही 22 वर्षीय युवक ने अपनी पत्नी की गला घोटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी खुद थाने पहुंचा और पुलिस के सामने रोते हुए अपना जुर्म कबूल कर लिया।शनिवार सुबह करीब 10 बजे महाराजपुर थाने पहुंचे आरोपी सचिन सिंह ने इंस्पेक्टर से कहा कि उसने अपनी पत्नी की हत्या कर दी है और शव घर में कंबल में लिपटा पड़ा है। आरोपी की बात सुनते ही थाने में हड़कंप मच गया। पुलिस ने तत्काल उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

पूछताछ में सचिन ने बताया कि वह रूमा क्षेत्र स्थित न्यू हाईटेक सिटी में मुस्कान अस्पताल के ऊपर बने एक किराये के कमरे में पत्नी के साथ रहता था। हत्या के बाद वह करीब चार घंटे तक इधर-उधर भटकता रहा और भागने की कोशिश भी की, लेकिन अंततः उसने थाने जाकर आत्मसमर्पण कर दिया।

आरोपी की निशानदेही पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां कमरे की चारपाई पर कंबल में लिपटा महिला का शव बरामद हुआ। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं।पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों ने प्रेम विवाह किया था, लेकिन शादी के कुछ ही महीनों में रिश्ते में तनाव बढ़ गया था। हत्या के कारणों की गहन जांच की जा रही है। आगे की कार्रवाई पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और आरोपी से पूछताछ के आधार पर की जाएगी।

नगर निगम में नए टेंडर और फेसियल अटेंडेंस सिस्टम के विरोध में कर्मचारियों की आम सभा

कई मांगों को लेकर अरसे से आंदोलन कर रहे हैं कर्मचारी नेता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर नगर निगम प्रशासन द्वारा जारी टेंडर सूचना संख्या ष्ठ/561/स्ङ्ख/हस्न्( )/2025-26 एवं फेसियल रिकग्निशन अटेंडेंस सिस्टम के विरोध में उत्तर प्रदेश संयुक्त वाहन चालक कर्मचारी संघ, संबद्ध भारतीय मजदूर संघ द्वारा तुलसी उपवन पार्क, मोतीझील में आम सभा का आयोजन किया गया।आम सभा में नगर निगम के समस्त जोनों एवं मुख्यालय से जुड़े लिपिक, चालक, स्विचमैन, राजस्व निरीक्षक, सफाई कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में आउटसोर्सिंग कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संगठन पदाधिकारियों द्वारा दोनों विषयों को विस्तार से कर्मचारियों के समक्ष रखा गया।सभा में उपस्थित कर्मचारियों द्वारा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि सर्वप्रथम कानपुर नगर निगम की महापौर को ज्ञापन सौंपकर कर्मचारियों की आपत्तियों एवं मांगों से अवगत कराया जाए। संगठन ने इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए बताया कि समय लेकर कर्मचारियों के साथ महापौर प्रमिला पांडेय को दोनों विषयों से संबंधित ज्ञापन सौंपा जाएगा।आम सभा में संगठन के संस्थापक एवं अध्यक्ष विनोद कुमार, महामंत्री अखिलेश सिंह, लिपिक संवर्ग संयोजक राजेंद्र कुमार के साथ मनोज कुमार, रमेश कुमार, दिलीप गुप्ता, प्रकाश बाबू, गोदियाल बाबू, कपिल बाबू, प्रांजल बाबू, सतीश बाबू, बजरंगी

स्वराज इंडिया | कानपुर सिटी | 03
निजीकरण और वेतन देरी पर आंदोलन को तैयार कर्मचारी

स्वराज इंडिया में प्रकाशित खबर

लाल यादव, जगदीश, आनंद, विजय भारती, लखन सिंह, शानू अहमद, इरशाद खान, मुन्ना, सुशील, कुलदीप सोनी, प्रभात, बृजेश, अनिल सोनकर, गुड्डू अहमद, शहनुल अब्बास, राजेश, रुपेश तिवारी, रवि, खुबैब, पंकज, हफीज, मिंटू, शकील, नवी, आशु, अरुण सिंह, ऋषभ, राहुल, दिव्यांश, राजकुमार सहित अन्य कर्मचारी भारी संख्या में उपस्थित रहे।सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि यदि कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान शीघ्र नहीं किया गया तो संगठन द्वारा आगे आंदोलनात्मक कदम उठाए जाएंगे।

नाजायज रिश्ते में बाधा बना बेटा, माँ ने प्रेमी संग मिलकर की हत्या

» अदालत ने माँ और प्रेमी को सुनाई उम्रकैद की सजा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मुज़फ्फरनगर। जनपद के कुरथल गांव में वर्ष 2022 में सामने आए दिल दहला देने वाले हत्याकांड में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। अपने नाजायज रिश्ते को बनाए रखने में बाधा बन रहे सगे बेटे की हत्या करने वाली कलयुगी माँ मुनेश देवी और उसके कथित प्रेमी सतेन्द्र को अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है।

मामले के अनुसार मुनेश देवी और सतेन्द्र ने मिलकर आशीष की गला दबाकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद शव को नलकूप पर फेंक दिया गया था ताकि मामला हादसा प्रतीत हो। इसके बाद आरोपी माँ ने ही थाने में अपने बेटे की हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसका उद्देश्य गांव के अपने कथित दुश्मनों को झूठे मामले में फंसाकर जेल भिजवाना था।

हालांकि, उत्तर प्रदेश पुलिस की गहन विवेचना में इस पूरे षड्यंत्र का पर्दाफाश हो गया। जांच के दौरान साक्ष्यों और बयानों के आधार पर पुलिस ने माँ और उसके प्रेमी की भूमिका उजागर की और दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। अदालत में चली लंबी सुनवाई के बाद दोष सिद्ध होने पर न्यायालय ने दोनों अभियुक्तों को उम्रकैद की सजा सुनाते हुए कड़ा संदेश दिया है। यह मामला न केवल रिश्तों की मर्यादा को शर्मसार करने वाला है, बल्कि अपराध को छुपाने के लिए रची गई साजिश का भी भयावह उदाहरण बन गया है।

नकली सीमेंट का ‘खेल’ पकड़ा फिर मामला हो गया ‘मैनेज’

अयोध्या में एमपी बिरला सीमेंट की छापेमारी, रिटेलर फरार

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में नकली सीमेंट के कारोबार का एक और मामला सामने आया है। कैंट थाना क्षेत्र के गद्दोपुर स्थित पवन ट्रेडर्स नामक रिटेलर की दुकान पर एमपी बिरला सीमेंट कंपनी के अधिकारियों ने छापा मारकर नकली और संदिग्ध सीमेंट पकड़ी। मौके पर कंपनी के सीएनडीएफ ज्ञानेश्वर जायसवाल, सेल्स ऑफिसर अंकुर तिवारी और विपिन पांडे मौजूद रहे।

जिलाधिकारी आवास से मऊशिवाला मार्ग पर स्थित पवन ट्रेडर्स के यहां एक ट्रक में एमपी बिरला सीमेंट लोड खड़ी थी। कंपनी को सूचना मिलने पर अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की गई। जांच में सामने आया कि सीमेंट गैर-जनपद की है और चोरी की बताई जा रही है। मामले को लेकर घंटों तक जांच-पड़ताल और तीखी बहस चली। इसी बीच रिटेलर दुकानदार मौका पाकर फरार हो गया। सूचना पर सहादतगंज चौकी पुलिस भी मौके पर पहुंची। कंपनी अधिकारियों ने पूरे प्रकरण में ट्रांसपोर्टर और डीलर पर लगभग पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाए जाने की बात कही है।

बताया जा रहा है कि पवन ट्रेडर्स द्वारा लंबे समय से इस तरह की सीमेंट का गोरखधंधा चलाया जा रहा था, जिसमें ट्रांसपोर्टर और डीलर की मिलीभगत की भी चर्चा है। सूत्रों के मुताबिक पूरे मामले को मैनेज करने की कोशिशें भी हुईं और अंततः देर रात रिटेलर को जाने दिया गया। इस पूरे घटनाक्रम में एक और दिलचस्प पहलू सामने आया।

मामले पर प्रतिक्रिया के लिए जब ट्रूकॉलर पर शो कर रहे ‘अंकुर परफेक्ट’ से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो साहब का कहना था कि आरोप निराधार है। आप पवन ट्रेडर्स के मालिक और कोतवाल से पूछिए। जो भी कार्यवाही होनी थी हो गयी है। नकली सीमेंट के इस खेल में जहां ट्रक, रिटेलर और मैनेजमेंट नजर आया, वहीं जवाबदेही फोन की घंटी में ही अटकी रह गई। रामनगरी में नकली सीमेंट का यह मामला न सिर्फ प्रशासनिक सतर्कता पर सवाल खड़े करता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि बड़े नामों और ‘परफेक्ट’ पहचान के पीछे खामोशी कितनी मजबूत हो चुकी है।

एसडीएम की सख्ती से भागे खनन माफिया

सीआरपीएफ के नाम पर हो रहे खनन की जांच शुरू

एसडीएम सोहावल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। सोहावल की उपजिलाधिकारी सविता देवी के सख्त रुख के बाद क्षेत्र में सक्रिय खनन माफिया मौके से भाग खड़े हुए। सीआरपीएफ के नाम पर तालाब की काली मिट्टी के अवैध खनन के मामले में एसडीएम ने जांच रिपोर्ट तलब करते हुए कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं।आरोप है कि तालाब की मिट्टी को महीनों पहले ही वैन कर दिया गया था, इसके बावजूद लगातार खनन कर स्थानीय स्तर पर बिक्री की जा रही थी। ओवरलोड डंपरों के कारण क्षेत्र की सड़कें और पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई थीं। एसडीएम के निर्देश पर लोकल बिक्री के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए गए, जिसके बाद थाना प्रभारी मनोज शर्मा की सख्ती से खनन माफिया पोकलैंड मशीन लेकर फरार हो गए। मामले में खनन विभाग के एक प्राइवेट ड्राइवर की संलिप्तता का भी आरोप है, जो बस्ती जिले का बताया जा रहा है। प्रशासन द्वारा पूरे प्रकरण की गहन जांच की जा रही है।

लूट की नीयत से की गई थी कैब मालिक की हत्या

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। कैब मालिक अजीत गुप्ता की रहस्यमय हत्या का अयोध्या पुलिस ने खुलासा कर दिया है। अजीत गुप्ता बीते 13 महीनों से लापता थे। पुलिस जांच में सामने आया कि अपराधियों ने कैब लूटने की नीयत से अजीत गुप्ता की कैब बुक कराई और गोरखपुर के कैंपियरगंज थाना क्षेत्र में उनकी हत्या कर दी।हत्या के बाद आरोपियों ने अजीत गुप्ता की कैब, गले की चेन और अंगूठी लूट ली। शव को बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के थाना सकरा क्षेत्र में फेंक दिया गया, जहां पुलिस ने उसे अज्ञात मानकर बरामद किया और 72 घंटे बाद पोस्टमार्टम कर अंतिम संस्कार कर दिया। लूटी गई कैब को बाद में बिहार के दरभंगा जिले से लावारिस हालत में बरामद किया गया।23 नवंबर 2024 को मृतक की पत्नी सुमन गुप्ता ने कोतवाली नगर अयोध्या में गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कराया था। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर के अनुसार इस

हत्याकांड में पांच आरोपी शामिल थे, जिनमें चार को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि एक आरोपी पहले से ही जेल में बंद है।

ऑडिट की लटकी तलवार पंचायत की राजनीति में भूचाल

अयोध्या में 10 ग्राम प्रधानों पर चुनावी प्रतिबंध की आहट, वसूली नोटिस से हड़कंप

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। आगामी पंचायत चुनाव से पहले अयोध्या जिले की ग्राम पंचायतों में सियासी भूचाल आ गया है। पंचायतीराज विभाग ने ऑडिट आपत्तियों को आधार बनाकर जिले के 10 ग्राम प्रधानों को चुनावी मैदान से बाहर करने की तैयारी कर ली है। वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों में इन प्रधानों को वसूली नोटिस जारी कर दिए गए हैं, जिससे उनकी चुनावी दावेदारी पर संकट गहरा गया है।मामला वित्तीय वर्ष 2021-22 के ऑडिट से जुड़ा है, जिसमें कई ग्राम पंचायतों में गंभीर अनियमितताएं दर्ज की गई थीं। हैरानी की बात यह है कि वर्षों बीत जाने के बावजूद इन आपत्तियों का निस्तारण नहीं कराया गया। अब चुनाव सिर पर आते ही विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए सीधे वसूली की कार्रवाई शुरू कर दी है।सूत्रों के मुताबिक मवई, सोहावल, बीकापुर, मयाबाजार, मिल्कीपुर और तारुन ब्लॉक की पंचायतों के ग्राम प्रधानों को नोटिस भेजे गए हैं। स्पष्ट कर दिया गया है कि यदि बकाया धनराशि जमा नहीं की गई या ऑडिट आपत्ति का समाधान नहीं हुआ, तो इन प्रधानों के नामांकन निरस्त कर दिए जाएंगे। जिला पंचायतीराज अधिकारी का कहना है कि नियमों में कोई ढील नहीं दी जा सकती। संबंधित प्रधान या तो धनराशि जमा कर ऑडिट आपत्ति समाप्त करें या फिर उच्च न्यायालय से वसूली पर रोक का आदेश प्रस्तुत करें। अन्यथा चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी। इस कार्रवाई ने पंचायत राजनीति के भीतर गहरी हलचल पैदा कर दी है। कई ग्राम प्रधान इसे चयनात्मक और एकतरफा कार्रवाई बता रहे हैं, जबकि सवाल यह भी उठ रहा है कि वर्षों तक लंबित ऑडिट आपत्तियों पर चुनाव से ठीक पहले ही सख्ती क्यों दिखाई जा रही है।

ईरान में उबाल, ट्रंप ने दी ‘कड़े एक्शन’ की चेतावनी

भीषण विरोध-प्रदर्शन से जूझ रहा ईरान, मानवाधिकार उल्लंघन पर अमेरिका का अल्टीमेटम

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

वाशिंगटन/तेहरान। ईरान इस समय गंभीर आंतरिक संकट और अंतरराष्ट्रीय दबाव के दौर से गुजर रहा है। देश में लगातार जारी सरकार-विरोधी प्रदर्शनों, सुरक्षा बलों की सख्ती, गिरफ्तारियों और फांसी की आशंकाओं के बीच अमेरिका ने सख्त रुख अपनाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ संकेत दिए हैं कि यदि ईरान में मानवाधिकार उल्लंघन और हिंसा नहीं रुकी तो अमेरिका ÷कड़ा कदम÷ उठा सकता है और सभी विकल्प मेज़ पर हैं।

ईरान में महंगाई, बेरोज़गारी और राजनीतिक असंतोष के कारण भड़के प्रदर्शन अब बड़े आंदोलन का रूप ले चुके हैं। कई शहरों में हिंसक झड़पें हुई हैं, बड़ी संख्या में लोगों की गिरफ्तारी हुई है और इंटरनेट सेवाओं पर कड़ा नियंत्रण लगाया गया है। मानवाधिकार संगठनों ने ईरानी सरकार पर अत्यधिक बल प्रयोग और दमन के गंभीर आरोप लगाए हैं।

➪ मध्य-पूर्व में बढ़ा सैन्य तनाव, सभी विकल्प खुले होने के मिल रहे संकेत संकेत

इस बीच राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि प्रदर्शनकारियों पर हिंसा और संभावित फांसी की सज़ाओं के गंभीर परिणाम होंगे। हालांकि, हाल के घटनाक्रम में ईरान द्वारा बड़ी संख्या में प्रस्तावित फांसी को रोकने के फैसले को ट्रंप प्रशासन ने दबाव की सफलता बताया है, जिससे संकेत मिलते हैं कि अमेरिका फिलहाल सीधी जंग से बचते हुए अधिकतम दबाव की नीति पर चल रहा है। क्षेत्र में तनाव के बीच अमेरिका ने मध्य-पूर्व में अपनी सैन्य मौजूदगी और निगरानी बढ़ा दी है, जिससे युद्ध की आशंका पर चर्चाएं तेज हो गई हैं। वहीं, कई अरब और यूरोपीय देश हालात को बिगड़ने से रोकने के लिए कूटनीतिक प्रयासों में जुटे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान संकट अब सिर्फ आंतरिक मामला नहीं रहा, बल्कि इसका असर मध्य-पूर्व की स्थिरता, वैश्विक तेल आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर पड़ सकता है। आने वाले दिनों में ट्रंप प्रशासन का अगला कदम और ईरान की प्रतिक्रिया इस टकराव की दिशा तय करेगी।

यूपी में सीजन का सबसे घना कोहरा

15 जिलों में 40 से ज्यादा वाहन टकराए डेढ़ साल की बच्ची समेत 7 की मौत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शनिवार को सीजन का सबसे घना कोहरा छाया रहा। हालात इतने खराब थे कि सड़कों पर कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था, यहां तक कि वाहनों की लाइटें भी नजर नहीं आ रही थीं। कोहरे के कारण फतेहपुर, मेरठ, बाराबंकी समेत 15 जिलों में 40 से अधिक वाहन आपस में टकरा गए। अलग-अलग हादसों में डेढ़ साल की बच्ची समेत 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

फतेहपुर जिले के मलवां थाना क्षेत्र में सौरा गांव के पास हॖ-2 पर भीषण सड़क हादसा हुआ, जहां करीब 10 वाहन एक-दूसरे से भिड़ गए। इस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 15 लोग घायल हो गए। घायलों में एक महिला की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिसे कानपुर रेफर किया गया है। हादसे में रोडवेज बस, अर्टिगा कार, डंपर, लोडर और ट्रक शामिल थे। वहीं मुरादाबाद में कोहरे के बीच एक ट्रक ने बाइक सवारों को रौंद दिया, जिसमें जीजा की मौके पर ही मौत हो गई। सुल्तानपुर में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप को एक वाहन ने टक्कर मार दी, इस हादसे में 3 लोगों की जान चली गई। वहीं मेरठ में घने कोहरे के कारण एक कार नाले में गिर गई, जिससे डेढ़ साल की मासूम बच्ची की मौत हो गई।

➪ कोहरे से सड़क, रेल और हवाई यातायात ठप, 53 जिलों में विजिबिलिटी शून्य

घनी धुंध का असर रेल और हवाई यातायात पर भी पड़ा। गोरखपुर, वाराणसी समेत प्रदेश के कई स्टेशनों पर 100 से अधिक ट्रेनें देरी से चल रही हैं। ड्ढद्धक्क ट्रेनें भी अपने निर्धारित समय पर नहीं पहुंच सकीं। लखनऊ एयरपोर्ट पर इंडिगो की दो उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि दुबई से आने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट करीब एक घंटे की देरी से पहुंची।

मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को प्रदेश के 53 जिलों में घना कोहरा रहा और कई स्थानों पर विजिबिलिटी शून्य तक पहुंच गई। शीतलहर इतनी तेज रही कि बारिश जैसा एहसास हुआ। बीते 24 घंटों में बाराबंकी 3.5 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रदेश का सबसे ठंडा जिला रिकॉर्ड किया गया। कड़ाके की ठंड को देखते हुए नोएडा, ग्रेटर नोएडा, बरेली, मेरठ, सहारनपुर, बदायूं और संभल में कक्षा 8 तक के स्कूल बंद कर दिए गए हैं। वहीं प्रयागराज और शाहजहांपुर में 12वीं तक के स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। मौसम विभाग का कहना है कि पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी के चलते मौसम में अचानक बदलाव आया है और अगले 4-5 दिनों तक प्रदेश में भीषण ठंड और कोहरे का असर बना रहेगा।

बीजापुर के जंगलों में सुरक्षाबलों का निर्णायक प्रहार, नक्सल नेटवर्क को बड़ा झटका

50 लाख का इनामी टॉप नक्सली कमांडर पापा राव ढेर

➪ दशकों से बस्तर में नक्सली हिंसा का प्रमुख चेहरा था पापा राव

➪ आईईडी ब्लास्ट, जवानों पर हमले और साजिशों का मास्टरमाइंड

➪ डीआरजी, एसटीएफ और केंद्रीय बलों के संयुक्त ऑपरेशन में सफलता

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

बीजापुर (छत्तीसगढ़)। नक्सलवाद के खिलाफ जारी निर्णायक अभियान में सुरक्षाबलों को ऐतिहासिक सफलता मिली है। बीजापुर जिले के घने जंगलों में हुई भीषण मुठभेड़ में 50 लाख रुपये का इनामी टॉप माओवादी कमांडर पापा राव मारा गया। लंबे समय से बस्तर संभाग में नक्सली गतिविधियों की कमान संभाल रहा पापा राव सुरक्षाबलों के लिए सबसे बड़े टारगेट्स में शामिल था। खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए संयुक्त ऑपरेशन में जवानों ने उसे चारों ओर से घेर लिया और मुठभेड़ में ढेर कर दिया।

सुरक्षा एजेंसियों को बीजापुर के जंगलों में पापा राव की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिली थी। इसके बाद डीआरजी, एसटीएफ और केंद्रीय बलों की संयुक्त टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। खुद को घिरता देख नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में जवानों ने मोर्चा संभाला। कई घंटे चली मुठभेड़ के बाद पापा राव मारा गया, जबकि अन्य नक्सली जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गए।

क्यों था पापा राव बड़ा खतरा

पापा राव नक्सली संगठन में शीर्ष कमांडर माना जाता था। उस पर सुरक्षा बलों पर हमले, आईईडी विस्फोट, ग्रामीणों को धमकाने और नक्सली नेटवर्क को मजबूत करने जैसे कई गंभीर आरोप थे। छत्तीसगढ़ सरकार ने उस पर 50 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। अधिकारियों के मुताबिक, पापा राव के मारे जाने से बस्तर क्षेत्र में नक्सलियों की रणनीतिक ताकत को गहरा झटका लगा है। यह कार्रवाई केंद्र और राज्य सरकार की उस नीति को मजबूती देती है, जिसके तहत नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस अपनाई जा रही है।

आगे भी जारी रहेगा अभियान

सुरक्षा बलों ने स्पष्ट किया है कि इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है और फरार नक्सलियों की तलाश की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में नक्सल नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए अभियान और तेज किया जाएगा। नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में यह मुठभेड़ एक निर्णायक मोड़ मानी जा रही है, जिसने सुरक्षा बलों के हौसले बुलंद कर दिए हैं।